महिला–मित्र ग्राम पंचायत कैसी हो?

ऐसी पंचायत जिसमें महिलाएं और बालिकाएं सम्मान से जी सकें, अपने हक पा सकें और अरमान पूरे कर सकें !

सभी बालिकाएं स्कूल में दाखिल हों और पढ़ाई पूरी करें।

समुदाय के लोग महिलाओं व बालिकाओं के हकों के बारे में जागरूक हों।

महिलाएं और बालिकाएं जीवन कौशल और रोजगार कौशल पाकर स्वावलंबी बनें।

ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि व कार्मिक–महिलाओं से जुड़े कानूनों के बारे में सजग हों।

महिलाओं और बालिकाओं की पहुंच गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य – सूचना व सेवाओं तक बने, जिसमें यौनिक एवं प्रजनन स्वास्थ्य भी शामिल हो।

महिलाओं व बालिकाओं की पहुंच सरकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों तक बने।

महिलाएं और बालिकाएं – महिला सभाओं में भागीदारी करें और उनके मुद्दों का जीपीडीपी में जुड़ाव हो।

पंचायत की समितियाँ सक्रिय रूप से महिलाओं व बालिकाओं पर होने वाली हिंसा एवं हानिकारक प्रथाओं जैसे–बाल विवाह एवं लिंग चयन रोकें।

ऐसी पंचायत – जहाँ विकास में महिलाओं को समान भागीदारी मिले।